संसद पर आतंकवादी हमले की वर्षगांठ के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2015: प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन के नेतृत्व में आज राष्ट्र ने 13 दिसम्बर, 2001 को आतंकवादी हमले से संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी ।

पूर्व प्रधान मंत्री, श्री मनमोहन सिंह; केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, श्रीमती नजमा हेपतुल्ला; राज्य सभा के उप सभापति, प्रोफेसर पी जे कुरियन; पूर्व उप प्रधानमंत्री और आचार समिति के सभापति श्री लाल कृष्ण आडवाणी; और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष, श्रीमती सोनिया गांधी ने भी इन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए । श्रद्धांजलि देने वाले अन्य व्यक्तियों में संसद के अनेक वर्तमान और पूर्व सदस्य भी शामिल थे ।

लोक सभा के महासचिव श्री अनूप मिश्र और राज्य सभा के महासचिव श्री शमशेर के. शैरिफ तथा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसायटी ने संसद भवन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों तथा अन्य सहायक एजेन्सियों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया ।

स्मरणीय है कि वर्ष 2001 में इसी दिन राज्य सभा सचिवालय के सुरक्षा सहायक, श्री जगदीश प्रसाद यादव और श्री मातबर सिंह नेगी; के.रि.पु.ब. में कांस्टेबल, श्रीमती कमलेश कुमारी; दिल्ली पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक, श्री नानक चन्द और श्री रामपाल; दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल, श्री ओम प्रकाश, श्री बिजेन्द्र सिंह और श्री घनश्याम; तथा के.लो.नि.वि. में माली, श्री देशराज ने आतंकवादी हमले से संसद की सुरक्षा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया था । ए.एन.आई. टीवी के कैमरामैन, श्री विक्रम सिंह बिष्ट जो इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, का बाद में निधन हो गया।

सर्वश्री जगदीश प्रसाद यादव, मातबर सिंह नेगी और श्रीमती कमलेश कुमारी के निःस्वार्थ बलिदान के सम्मान में उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से अलंकृत किया गया था । सर्वश्री नानक चन्द, रामपाल, ओम प्रकाश, बिजेन्द्र सिंह और घनश्याम को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से अलंकृत किया गया था ।